8 राजस्थान के सम्प्रदाय व संत

1. **निम्न में से कौनसा मंदिर वल्लभ सम्प्रदाय की प्रथम पीठ कहलाती है?**
(1) मथुरेश मंदिर (कोटा)
(2) गोकुलचन्द्र जी कामां (डीग)
(3) श्रीनाथ मंदिर (नाथद्वारा)
(4) द्वारकाधीश मंदिर (कांकरोली) (1)

2. **संत रामचरण जी द्वारा रामस्नेही सम्प्रदाय की स्थापना कब की गई थी ?**
(1) 1660 ई. (2) 1760 ई.
(3) 1860 ई. (4) 1960 ई. (2)

व्याख्या– रामस्नेही सम्प्रदाय की स्थापना 1760 ई. में की गई। इस सम्प्रदाय में राम की भक्ति रामधुन के माध्यम से करते है। प्रार्थना स्थल को रामद्वारा कहते है। जहाँ गुरु का चित्र सामने रखा होता है क्योंकि इस सम्प्रदाय में गुरु के महत्व पर सर्वाधिक बल दिया जाता है।

3. **धधकते अंगारों पर किया जाने वाला अग्नि नृत्य किस सम्प्रदाय के लोगों द्वारा किया जाता है?**
(1) जसनाथी सम्प्रदाय (2) रामस्नेही सम्प्रदाय
(3) विश्नोई सम्प्रदाय (4) निम्बार्क सम्प्रदाय (1)

व्याख्या– अग्नि नृत्य– जसनाथी सम्प्रदाय के कुछ अनुयायी अग्नि नृत्य करते है। जो नृत्य के दौरान फतेह–फतेह तथा सिद्ध रूस्तम जी का उच्चारण करते है। अग्नि नृत्य को सर्वाधिक संरक्षण बीकानेर महाराजा गंगासिंह ने दिया।

4. **सुमेलित कीजिये–**

सम्प्रदाय	प्रमुख पीठ
(क) रामानन्द सम्प्रदाय	1. नाथद्वारा (राजसमंद)
(ख) निम्बार्क सम्प्रदाय	2. गलताजी (जयपुर)
(ग) नाथ सम्प्रदाय	3. सलेमाबाद (अजमेर)
(घ) वल्लभ सम्प्रदाय	4. महामन्दिर (जोधपुर)

	क	ख	ग	घ	
(1)	1	2	4	3	
(2)	2	1	4	3	
(3)	2	3	4	1	
(4)	3	2	4	1	(3)

5. **जसनाथ जी के उपदेश किन ग्रन्थों में संग्रहित है ?**
(1) हरड़ेवाणी, अंगवधू (2) 120 शब्द वाणियाँ
(3) ज्ञान समुद्र, ज्ञान सवैया (4) सिंभूदडा, कोंडा ग्रन्थ (4)

6. **असंगत छांटिये –**
(1) नवल सम्प्रदाय – नवलदास जी
(2) गुदड़ सम्प्रदाय– संतदास जी
(3) अलखिया सम्प्रदाय– अलखदास जी
(4) परनामी सम्प्रदाय – प्राणनाथ जी (3)

व्याख्या– अलखिया सम्प्रदाय के प्रवर्तक लालगिरी हैं।

7. **निम्न में से कौनसी रचना मीरां द्वारा रचित नहीं है?**
(1) नरसी जी रो माहेरो (2) मीरां की पदावली
(3) राग सोरठ के पद (4) टीका राग गोविन्द (1)

व्याख्या– 'नरसी जी रो माहेरो' नामक रचना रतना खाती की है।

8. **'विश्नोईयों का कुंभ' कहा जाने वाला जम्भेश्वर जी का मेला कहाँ आयोजित होता है?**
(1) मुकाम (2) महामन्दिर
(3) कतरियासर (4) कोलूमंड (1)

व्याख्या– जाम्भोजी का मेला फाल्गुन अमावस्या व आश्विन अमावस्या को भरता है।

9. **विश्नोई सम्प्रदाय के प्रवर्तक जाम्भोजी का जन्म कब हुआ था?**
(1) 1482 ई. (2) 1451 ई.
(3) 1352 ई. (4) 1421 ई. (2)

10. **राजस्थान के एकमात्र संत, जिसका जन्म राजस्थान में हुआ परन्तु इनके चलाये सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ दिल्ली में है ?**
(1) लालदास (2) चरणदास जी
(3) रज्जब जी (4) दादुदयाल (2)

व्याख्या– चरणदास जी ने नादिरशाह के आक्रमण की भविष्यवाणी की थी।

11. **'वागड़ की मीरां' किसे कहा जाता है?**
(1) मीरां (2) गुलाबो
(3) गवरी बाई (4) फलकू बाई (3)

12. **सलेमाबाद में निम्बार्काचार्य पीठ की स्थापना किसने की?**
(1) आचार्य परशुराम (2) स्वामी अग्रदास
(3) कृष्ण दास पयहारी (4) गोस्वामी दामोदर (1)

व्याख्या– सलेमाबाद पीठ (अजमेर) की स्थापना आचार्य परशुराम जी ने की थी जो रूपनगढ़ नदी के किनारे स्थित है। निम्बार्क सम्प्रदाय में राधा और कृष्ण की युग्ल रूप से सेवा की जाती है।

13. **राजस्थान के कौन से प्रसिद्ध संत बीकानेर में कतरियासर से संबंधित है?**
(1) जाम्भोजी (2) सिद्ध जसनाथ
(3) विल्होजी (4) संत रामदास (2)

व्याख्या– जसनाथी सम्प्रदाय की स्थापना 1504 ई. में कतरियासर (बीकानेर) में की गई थी।

14. **निम्न में से कौनसा जाम्भो जी का प्रमुख प्रवचन स्थल था?**
(1) मुकाम (2) पीपासर
(3) समराथल (4) जाम्भा गाँव (3)

व्याख्या– समराथल (बीकानेर) में 1485 ई. में बिश्नोई सम्प्रदाय की स्थापना की। समराथल को 'धोक धोरा' के नाम से भी जाना जाता है।

Dhindhwal Publication

15. निम्न में से असुमेलित युग्म छांटिए–

लोक संत	मुख्य पीठ
(1) जसनाथ जी	– कतरियासर (बीकानेर)
(2) रामचरण जी	– शाहपुरा
(3) जाम्भो जी	– मुकाम (नोखा)
(4) दादुदयाल	– सांभर (जयपुर ग्रामीण) (4)

व्याख्या– दादु पंथ की प्रमुख पीठ नरायणा (दूदू) में है।

16. राजस्थान के प्रमुख संत तथा उनके द्वारा स्थापित सम्प्रदायों के सम्बन्ध में असुमेलित युग्म छांटिए –
(1) रामचरणजी– राम स्नेही सम्प्रदाय (शाहपुरा)
(2) लालगिरिजी– अलखिया सम्प्रदाय
(3) हरिदासजी– निरंजनी सम्प्रदाय
(4) संतदासजी– नवल सम्प्रदाय (4)

व्याख्या– गुदड़ सम्प्रदाय के प्रवर्तक संतदास जी थे।

17. राजस्थान में 'ऊंदरिया पंथ' किनमें प्रचलित है?
(1) गरासियों में (2) भीलों में (3) सहरिया (4) डामोर (2)

व्याख्या– सलूम्बर में जयसमंद झील के आस–पास रहने वाले भीलों में यह पंथ प्रचलित है।

18. अलखिया सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन थे?
(1) नवलदास (2) लाल गिरी
(3) संत हरिदास (4) संतदास (2)

19. संत जसनाथ जी के बारे में कौनसा कथन सहीं नही है–
(क) उनका जन्म 1482 ई. बीकानेर के कतरियासर गाँव में हुआ था।
(ख) गोरख मालिया नामक स्थान पर इन्होंने 20 वर्ष तक साधना की।
(ग) इन्होंने 1506 ई. में कतरियासर में जीवित समाधि ली।
(घ) इनके उपदेश सिंभूधड़ा व कोंडा नामक ग्रंथ राजस्थान शैली में हैं।
(1) कथन (क) व (ख) सही नहीं है।
(2) कथन (ख) व (ग) सही नहीं है।
(3) कथन (घ) सही नहीं है।
(4) कथन (ख) सही नहीं है। (4)

व्याख्या–जसनाथ जी ने गोरख मालिया नामक स्थान पर 12 वर्षो तक तपस्या की थी।

20. राजस्थान के प्रसिद्ध संत जिनकी समाधि फुलेरा के निकट नरायणा/नरैना (दूदू) में है?
(1) संत पीपा (2) संत रैदास
(3) संत धन्ना (4) दादू (4)

व्याख्या– 1603 ई. में ज्येष्ठ कृष्ण अष्टमी को दादू ने नरायणा/नरैना (दूदू) में भैराणा पहाड़ी पर जिस गुफा में समाधि ली, उसे 'दादू खोल' कहा जाता है। संत दादू का शव भैराणा पहाड़ी पर खुला छोड़ दिया गया था।

21. नाथ सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं?
(1) गोरखनाथ (2) मत्स्येन्द्र नाथ
(3) जालंधरनाथ (4) भृतहरिनाथ (2)

व्याख्या– शैव मत का ही एक नवीन रूप नाथ सम्प्रदाय है जो योग सम्प्रदाय/अवधूत सम्प्रदाय/सिद्धमार्ग सम्प्रदाय आदि नामों से भी जाना जाता है। नाथ सम्प्रदाय के प्रवर्तक मत्स्येन्द्र नाथ (नाथ मुनि) थे।

22. दादू पंथ की मुख्य गद्दी कहाँ स्थित है?
(1) अहमदाबाद (2) शाहपुरा (जयपुर ग्रामीण)
(3) गागरोन (झालावाड़) (4) नरायणा (दूदू) (4)

23. निम्न में से कौनसा सम्प्रदाय 'सनकादिक सम्प्रदाय/ हंस सम्प्रदाय' भी कहा जाता है?
(1) नाथ सम्प्रदाय (2) वल्लभ सम्प्रदाय
(3) गौड़ीय सम्प्रदाय (4) निम्बार्क सम्प्रदाय (4)

व्याख्या– निम्बार्काचार्य का जन्म 1162 ई. में वैलारी (मद्रास) में हुआ। इनके जन्म का नाम आरूणि था। इनके गुरू नारद मुनि थे। ये वेदान्त पारिजात महाभाष्य के लेखक थे। इन्होंने 1192 ई. में निम्बार्क सम्प्रदाय की स्थापना की।

24. रामस्नेही सम्प्रदाय के बारे में असंगत छांटिये –
(1) रैण शाखा– नागौर
(2) सिंथल शाखा– बीकानेर
(3) खेड़ापा शाखा– नागौर
(4) शाहपुरा शाखा– शाहपुरा (3)

व्याख्या– रामस्नेही सम्प्रदाय की खेड़ापा शाखा जोधपुर ग्रामीण में है।

25. निम्न को सुमेलित कीजिए–

सम्प्रदाय	स्थापना
(क) दादू पंथ	(1) 1760 ईस्वी
(ख) विश्नोई सम्प्रदाय	(2) 1504 ईस्वी
(ग) जसनाथी सम्प्रदाय	(3) 1485 ईस्वी
(घ) रामस्नेही सम्प्रदाय	(4) 1574 ईस्वी

	क	ख	ग	घ
(1)	4	3	2	1
(2)	2	1	4	3
(3)	2	3	4	1
(4)	3	2	4	1 (1)

26. गौड़ीय सम्प्रदाय के प्रवर्तक माने जाते है?
(1) आचार्य वल्लभाचार्य (2) गौरांग महाप्रभु चैतन्य
(3) गोविन्द दास जी (4) विट्ठल दास जी (2)

व्याख्या– इस सम्प्रदाय की शुरूआत माध्वाचार्य ने की थी, माध्वाचार्य के शिष्य गौड़ स्वामी ने इस दर्शन का सर्वाधिक प्रचार किया, इसलिए यह सम्प्रदाय गौड़ीय सम्प्रदाय कहलाया। लेकिन इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक गौरांग महाप्रभु चैतन्य थे।

27. राजस्थान में गौड़ीय सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ है?
(1) मदनमोहन मंदिर (करौली)
(2) श्रीनाथ जी मंदिर (नाथद्वारा)
(3) मदनमोहन मंदिर (कामां, डीग)
(4) गोविन्द देव जी मंदिर (जयपुर) (4)

व्याख्या– राजस्थान में गौड़ीय सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ गोविन्द देव मंदिर (सिटी पैलेस, जयपुर) है। इस मंदिर का निर्माण सवाई जयसिंह ने करवाया था।

Dhindhwal Publication

28. **किस संत के चौपड़े केवल दीपावली के दिन ही बाहर निकाले जाते है?**

(1) दादू दयालजी (2) संत मावजी
(3) संत धन्नाजी (4) संत रैदास जी (2)

व्याख्या– संत मावजी को वागड़ का धणी कहा जाता है। जिनका जन्म साबला (डूँगरपुर) में ब्राह्मण परिवार में 1714 ई. में माघ शुक्ल पंचमी को हुआ था। मावजी की वाणी को चौपड़ा कहा जाता है। ये चौपड़े केवल दीपावली के दिन ही बाहर निकाले जाते है।

29. **संत रज्जब जी के बारे में निम्न में से असत्य कथन है?**

(1) इनकी प्रधान पीठ सांगानेर में है।
(2) इनके गुरू का नाम सुंदरदास था।
(3) दादु की मृत्यु के बाद इन्होंने आँखों पर आजीवन पट्टी बांधे रखी।
(4) इनके उपदेश रज्जब वाणी व सर्वंगी में संकलित हैं। (2)

व्याख्या– संत रज्जब जी के गुरु का नाम दादूदयाल था।

30. **'थाली भरके लाई रे खिचड़ो, ऊपर घी की बाटकी।**
जीमो म्हारा श्याम धणी, जिमाव बेटी जाट की।' इस गीत का सम्बन्ध है?

(1) मीरां बाई से (2) ब्रज कंवरी से
(3) करमा बाई से (4) फुली बाई से (3)

Lead, Read and Achieve
Dhindhwal Publication

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

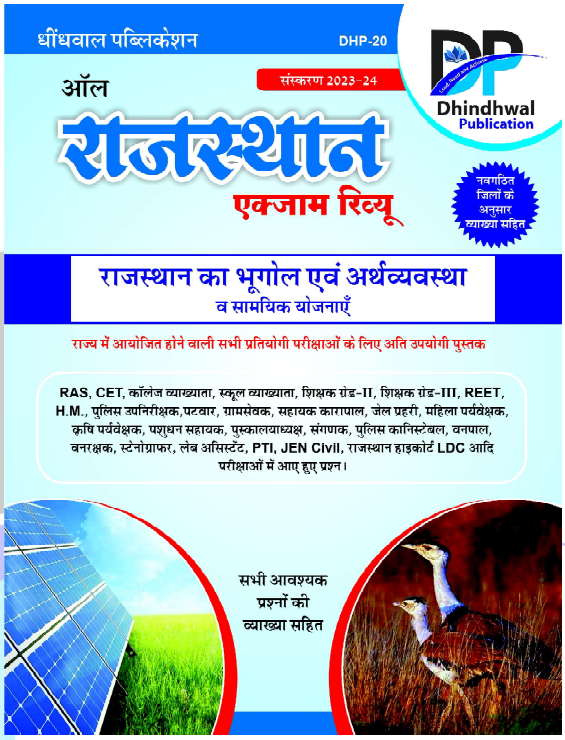

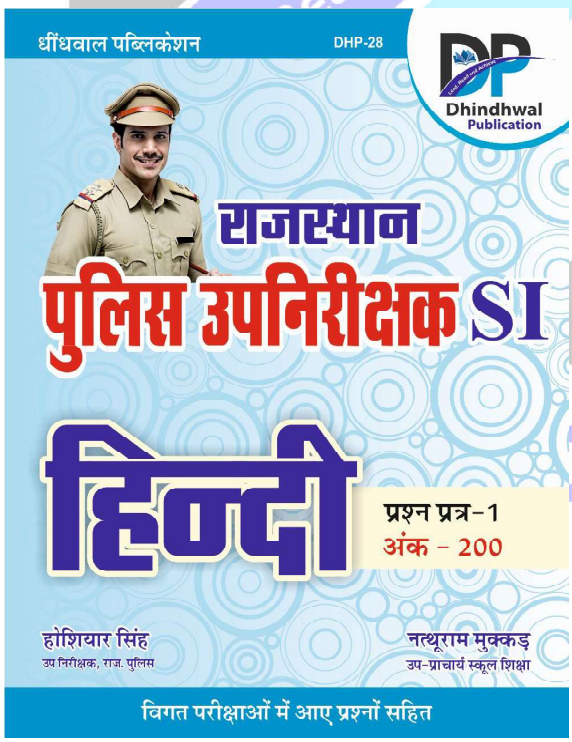

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।